जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 18 संख्याः 133 प्रभात चूरू, बुधवार 9 सितम्बर, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

गहलोत, आशा लगाए बैठे थे कि वेणुगोपाल, बघेल, रंधावा आदि उनका पुनर्वास कराएंगे पार्टी में

पर उल्टा ही हुआ, प्रियंका गांधी ने वेणुगोपाल, बघेल, रंधावा की टीम पर ही प्रहार करके तोड़ दिया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। क्या पंजाब कांग्रेस को नया पीसीसी अध्यक्ष मिलने जा रहा है? क्या सचिन पायलट को पंजाब की जिम्मेदारी इसलिए दी गई है, ताकि राजा वड़िंग के जाने के बाद बदलाव की प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके और कांग्रेस के आपस में लड़ रहे सभी गुटों को एक साथ लाया जा सके?

क्या भूपेश बघेल को पंजाब से इसलिए हटाया गया, क्योंकि उन्होंने कई बार राजा वड़िंग की तारीफ और उनका समर्थन किया था, जिससे उनके लिए पीसीसी अध्यक्ष को पद से हटाना मुश्किल हो रहा था?

और अब, जब सचिन पायलट पंजाब के इंचार्ज हैं तो रंधावा का क्या होगा?

रंधावा, डोटासरा के साथ मिलकर काम कर रहे थे और दोनों सचिन पायलट तथा उनके समर्थकों को किनारे करने के लिए पूरी ताकत लगा रहे थे।

- दूसरी ओर राहुल गांधी की पंजाब की प्रस्तावित यात्रा ने भी क्षुब्ध नेताओं को चुप रहने के लिए मजबूर कर दिया है।
- यह भी चर्चा है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी चन्नी-रंधावा की बगावत को शह दे रहे हैं।
- पर, ये सभी चर्चाएँ व्यर्थ हो गईं, क्योंकि पंजाब में कांग्रेस के सभी खेमों को अब राहुल गांधी की यात्रा की तैयारी में जुटना पड़ रहा है।
- पर, यह भी चर्चा है कि पायलट, कैप्टन अमरिंदर सिंह को बातचीत करके कांग्रेस में शामिल करा लें।

अब हालात पूरी तरह बदलते दिखाई दे रहे है, क्योंकि पंजाब में पायलट अब रंधावा के बॉस हैं।

राहुल गांधी को समझाया गया है कि वे अपनी प्रतिष्ठा और औपचारिकताओं पर अड़े न रहें, क्योंकि राजा वड़िंग को बचाने से ज्यादा जरूरी पंजाब को जीतना है।

सूत्रों का कहना है कि इसी वजह से भूपेश बघेल को पंजाब से हटाया गया है, क्योंकि नेतृत्व में बदलाव के लिए नए इंचार्ज की जरूरत थी।

उद्देश्य अलग-अलग गुटों को एक साथ लाना और पंजाब में सत्ता हासिल करने के लिए मजबूत दावेदारी पेश करना है।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह चन्नी और रंधावा को निर्देश दे रहे हैं और कांग्रेस में मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। लेकिन अगर समस्या की जड़ पर काम किया जाए और उनके विरोध के असली स्रोत को ही हटा दिया जाए, तो उनके पास शिकायत करने के लिए शायद बहुत कुछ नहीं बचेगा।

राहुल गांधी की पंजाब यात्रा के लिए सभी समूहों और गुटों को एक साथ आना होगा, क्योंकि राहुल गांधी की पंजाब यात्रा की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, हालांकि अभी तारीखें तय नहीं हुई हैं।

कांग्रेस का मुख्य हमला पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर है और प्रताप सिंह बाजवा मान सरकार के खिलाफ जोरदार हमले कर रहे हैं।

इसके अलावा, अगर सचिन पायलट अपने नेतृत्व में कैप्टन अमरिंदर सिंह को कांग्रेस में वापस लाने में सफल होते हैं, तो यह उनकी एक और बड़ी कामयाबी होगी।

सचिन पायलट के पंजाब की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश्वरी स्कूल के छात्र गुटों में खूनी झड़प

जयपुर, 8 सितम्बर। राजधानी के प्रतिष्ठित महेश्वरी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब कक्षा 10 के छात्रों के बीच हुआ मामूली विवाद खूनी झड़प में बदल गया। स्कूल परिसर के पास हुए इस हमले में करीब 10 से 12 छात्रों के गुट ने एक अकेले छात्र को घेरकर बुरी तरह

- दस-बारह छात्रों ने एक छात्र को घेर कर बुरी तरह पीटा व सिर पर काँच की बोतल मारी।

पीट दिया। मारपीट के दौरान एक छात्र ने पीड़ित के सिर पर पानी की भारी कांच की बोतल से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के तुरंत बाद हरकत में आए स्कूल प्रशासन ने लहूलुहान छात्र को तुरंत पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। डॉक्टरों ने छात्र के सिर पर आए गहरे घाव को देखते हुए करीब छह टांके लगाए हैं। चिकित्सकों के अनुसार, छात्र के चेहरे और सिर पर काफी चोटें आई हैं, हालांकि वह होश में है और उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। इस मामले की सूचना मिलते ही जवाहर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस स्कूल गेट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से मारपीट में शामिल छात्रों की पहचान करने में जुटी है। फिलहाल विवाद की असली वजह साफ नहीं हो सकी है। स्कूल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सत्य निकेतन की बगल वाली बिल्डिंग को गिराने की योजना बनी

पर, इस योजना के क्रियान्वयन के लिए जब आस-पास की बिल्डिंग्स का सर्वे हुआ तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में जिस पीजी आवास की इमारत के गिरने से सात लोगों की मौत हुई थी, उसके बगल वाली इमारत को बुधवार को गिराया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि नगर निगम के अधिकारियों ने इस इमारत को असुरक्षित पाया है।

गुप्ता ने इमारत गिरने की घटना में घायल हुए लोगों के लिए 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की और कहा कि दिल्ली सरकार उनके इलाज का पूरा खर्च उठाएगी। उन्होंने एम्स ट्रॉमा सेन्टर में घायलों से मुलाकात की और उनके परिवारों को चेक दिए।

इस बीच, सत्य निकेतन की इमारत गिरने की घटना के बाद उन शोधों पर भी ध्यान गया है, जिनमें चेतावनी दी गई है कि 6.0 तीव्रता के भूकंप की स्थिति में, बड़ी संख्या में राजधानी की इमारतें असुरक्षित मानी जा सकती हैं।

चिंता केवल एक इमारत से कहीं

- दिल्ली में 38 प्रतिशत बिल्डिंग्स मध्यम श्रेणी का भूकंप भी बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं हैं।
- दूसरे शब्दों में दिल्ली में 33 लाख बिल्डिंग , मध्यम श्रेणी के भूकंप का झटका बर्दाश्त नहीं कर सकतीं, ध्वस्त होने की प्रबल संभावना है।
- जैसा कि विदित ही है, दिल्ली सैस्मिक ज़ोन-4 में आता है, जो देश में भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील, दूसरे नबंर पर है।

ज्यादा बड़ी है।

हाल के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि दिल्ली-एनसीआर की लगभग 89 लाख इमारतों में से करीब 38 प्रतिशत इमारतें इस क्षेत्र की प्रमुख सक्रिय फॉल्ट लाइन्स के पास 5.0 तीव्रता के भूकंप की स्थिति में असुरक्षित सिद्ध हो सकती हैं।

इसका मतलब है कि 33 लाख से अधिक इमारतें संभावित रूप से खतरे में हो सकती हैं। इससे पता चलता है कि दिल्ली में भूकंप का खतरा कितना बड़ा है।

दिल्ली सैस्मिक ज़ोन 4 में आता है, जो भारत में भूकंप के खतरे के लिहाज से दूसरी सबसे ऊंची श्रेणी है।

राजधानी न केवल स्थानीय भ्रंश रेखाओं (फॉल्ट लाइन्स) से आने वाले भूकंपों के प्रति संवेदनशील है, बल्कि हिमालयी क्षेत्र में आने वाले शक्तिशाली भूकंप भी दिल्ली को प्रभावित कर सकते हैं।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि दिल्ली की जटिल भू-संरचना (जियोलॉजी), एक्टिव फॉल्ट्स के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"नाराज़ फूफा जी" तो हमेशा काम में कमी ही निकालेंगे

प्र.मंत्री ने हालांकि, सबसे पहले, आलोचकों के लिये यह सम्बोधन श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में उपयोग में लिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। गुजरात के वडोदरा में एक कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 35 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया और अपने आलोचकों पर "नाराज फूफा जी" कहकर तंज किया। उन्होंने समर्पित माल ढुलाई गलियारे का उदाहरण देते हुए अपनी सरकार के कामकाज की तुलना यूपीए सरकार से की और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया।

विपक्ष पर अपना हमला तेज करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को उन लोगों के लिए अपने नए

- पर, अब धीरे-धीरे परिष्कृत करते हुए, इस "अलंकार" का उपयोग, अब काफी जोर शोर से कर रहे हैं, प्र.मंत्री मोदी।

संबोधन, "नाराज फूफाजी" को दोहराया, जो उनकी सरकार के विकास कार्यों पर सवाल उठाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के वडोदरा में "नमो फॉर विकसित भारत" कार्यक्रम में ये बातें कहीं। यहां उन्होंने 35 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कई परियोजनाओं की आधारशिला रखीं। इनमें 2,800 किलोमीटर लंबा समर्पित रेल माल ढुलाई गलियारा भी शामिल है, जिसे उन्होंने "21वीं सदी की ऐतिहासिक उपलब्धि" बताया।

इस गलियारे के उदाहरण से भाजपा और कांग्रेस सरकारों की "काम करने की संस्कृति" की तुलना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस परियोजना की कल्पना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय की गई थी, लेकिन यूपीए सरकार, जिसका नेतृत्व मनमोहन सिंह कर रहे थे, के दौरान इसमें बहुत कम प्रगति हुई।

उन्होंने कहा, माल ढुलाई गलियारे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भागवत 11 से 14 राजस्थान में

जयपुर, 8 सितम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 11 से 14 सितंबर तक राजस्थान के प्रवास पर रहेंगे। चार दिवसीय प्रवास के दौरान, वे जोधपुर, नागौर और भीलवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। संघ की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञिप्त में यह जानकारी दी गई।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, डॉ. भागवत 11 सितंबर को जोधपुर पहुंचेंगे तथा अगले दिन 12 सितंबर को

- वे जोधपुर, नागौर और भीलवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

नागौर जिले के गोटन स्थित एलके सिंघानिया शिक्षा केन्द्र के वार्षिकोत्सव समारोह में शामिल होंगे। 13 सितंबर को डॉ. भागवत जोधपुर में संघ कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद, 14 सितंबर को वे भीलवाड़ा जाएंगे, जहां वे जैन दिगंबर संत पूज्य पुलक सागर जी महाराज से भेंट और वार्ता करेंगे। कार्यक्रम के बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आधुनिकतम लड़ाकू विमान एसयू-57 की खरीद की बारीकियाँ फाइनल होंगी

पुतिन यह विमान बेचने को तत्पर हैं और भारत यह विमान पाने को आतुर

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी तय बैठक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत को एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बेचने का प्रस्ताव रख सकते हैं। मॉस्को, भारतीय वायुसेना के लिए इस स्टैल्थ लड़ाकू विमान को अंतरिम समाधान के तौर पर पेश कर रहा है।

भारतीय वायुसेना को लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रनों की कमी का सामना करना पड़ रहा है और वह स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) का इंतजार कर रही है, जिसके 2035 के बाद ही आने की उम्मीद है। इस प्रस्ताव में तकनीक

- हालांकि, अभी भारत-रूस व्यापार, रूस के भारी पक्ष में है तथा भारत की देनदारी 50 बिलियन डॉलर से अधिक है और भारत पर दबाव है, फार्मास्युटिकल्स, कैमिकल्स व कृषि उत्पाद का रूस को निर्यात बढ़ाकर यह ट्रेड डैफिसिट घटाये।

का हस्तांतरण, संयुक्त उत्पादन, एसयू-57ई संस्करण का भारत में स्थानीय स्तर पर निर्माण और, यहां तक कि, सोर्स कोड तक पहुंच देने की पेशकश शामिल है। ये रियायतें बौद्धिक संपदा और आत्मनिर्भरता को लेकर भारत की पुरानी चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से दी जा रही हैं। हालांकि भारतीय अधिकारियों ने हाल में नए सुखोई विमानों की खरीद के बजाय, एसयू-30एमकेआई के आधुनिकीकरण और स्वदेशी कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने के संकेत दिए हैं, लेकिन उम्मीद है कि पुतिन बातचीत के दौरान इस मामले पर जोर देंगे और पहले की गई सार्वजनिक पेशकशों को आगे बढ़ाएंगे।

यह तय मुलाकात बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत और और रूस के बीच लंबे समय से चली आ रही "विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी" को रेखांकित करती है। बातचीत के एजेंडे में रक्षा सहयोग और दोनों देशों के बीच आर्थिक असंतुलन को कम करने के उपाय प्रमुख रह सकते हैं। हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार बढ़कर करीब 60-69 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है। इसका मुख्य कारण भारत द्वारा रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, उर्वरक और कोयला खरीदना है।

हालांकि, इससे भारत का व्यापार घाटा 50 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। दोनों देश 2030 तक 100 अरब डॉलर का व्यापार लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं। बातचीत में दवाइयों, रसायनों और कृषि उत्पादों जैसे भारतीय निर्यात के लिए बाजार तक अधिक पहुंच, टैरिफ और गैर- टैरिफ बाधाओं को हटाना, रुपये-रूबल में भुगतान व्यवस्था को बेहतर बनाना, और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में प्रगति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज जयपुर में रोड शो करेंगे

जयपुर, 8 सितम्बर। नगर निकाय चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को जयपुर में रोड शो करेंगे। भाजपा ने इसे चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में शक्ति प्रदर्शन के तौर पर तैयार किया है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में होने वाले रोड शो में भाजपा के पार्षद प्रत्याशियों के

- सांगानेरी गेट से शुरु होकर चाँदपोल हुनमान मंदिर तक जाएगा रोड शो।

साथ पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे।

भाजपा के अनुसार, मुख्यमंत्री का रोड शो 9 सितंबर, बुधवार को सुबह 10 बजे सांगानेरी गेट से शुरू होगा। यहां से मुख्यमंत्री का काफिला बड़ी चौपड़ और छोटी चौपड़ होते हुए चांदपोल स्थित हनुमान मंदिर तक पहुंचेगा।

पार्टी संगठन ने सभी पार्षद प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं को सुबह सांगानेरी गेट पहुंचकर मुख्यमंत्री का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहली बार लग रहा है, ईरान इस बार बुरी तरह घिर गया है

सूत्रों के अनुसार, अब ईरान कोई भारी हवाई हमला करने की स्थिति में नहीं है तथा अब अपने सहयोगी छापामारों, जैसे हूथियों पर आश्रित है, हवाई आक्रमण का क्रम जारी रखने के लिए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। छह महीने के लंबे और थका देने वाले संघर्ष के बाद अब ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका काफी बेहतर स्थिति में नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खुद युद्ध में मिलने वाले फायदों के बारे में अपनी इस मजबूत या आरामदायक स्थिति का ज़िक्र किया है। सीएनएन ने उनके एक्स हैंडल पर की गई टिप्पणियों के हवाले से यह बात कही है।

एक तरफ अमेरिका ने ईरान के सभी सामानों के लिए होर्मुज़ जलडमरूमध्य और दूसरे बंदरगाहों से आने-जाने पर कड़ी रोक लगाकर ईरान पर गंभीर आर्थिक हमला किया है। इससे देश के सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और उसकी अर्थव्यवस्था ढहने की स्थिति में पहुंच सकती है।

दूसरी तरफ ईरान की जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी लगातार कम हो रही है। ईरान के हमले अब उतने तेज और शक्तिशाली नहीं रहे हैं, जितने पहले हुआ करते थे। इसके बजाय, ईरान अब अमेरिका के लिए मुश्किलें पैदा करने वाले हमले करने के लिए अपने सहयोगियों पर निर्भर है।

खास बात यह है कि सोमवार को यमन में ईरान के सहयोगी गुट, हूतियों ने सउदी अरब पर हमले किए। इन हमलों में आम नागरिकों को भी नुकसान हुआ और सऊदी अरब की तेल सुविधाओं को भी क्षित पहुंची। हताश

- सोमवार को हूथी योद्धाओं ने सऊदी अरब पर आक्रमण किया, काफी नागरिकों की हानि हुई तथा सऊदी के ऑयल प्रतिष्ठानों को भी हानि पहुँचाई गई।
- पर, अभी ईरान के कट्टरपंथी अमेरिका के साथ किसी भी तरह का समझौता होने की संभावना को आगे नहीं बढ़ने दे रहे।

होकर ईरान अब अमेरिकी सैनिकों के खिलाफ जवाबी हमले करने के लिए क्षेत्र के दूसरे देशों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा है।

यह युद्ध का एक नया चरण है, जिसमें ईरान अपनी लगातार कमजोर होती स्थिति के बावजूद युद्ध की स्थिति पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए नए-नए तरीके तलाश रहा है। देश के भीतर भी ईरान की जनता युद्ध को लेकर जारी गतिरोध से थक चुकी है।

सैन्य रूप से देखें तो ईरान अब शायद उस तरह के हमले करने की स्थिति में नहीं है, जिनसे उसके दुश्मनों को सबसे ज्यादा डर लगता है। साफ तौर पर उसके हथियारों और गोला-बारूद का भंडार खत्म होता जा रहा है, हालांकि ईरान का दावा है कि उसके पास अभी और भी ज्यादा घातक हथियार मौजूद हैं।

अमेरिका को उम्मीद है कि ईरान की लगातार बिगड़ती और दमघोंटू स्थिति के चलते, वहां की जनता सरकार के खिलाफ उठ खड़ी होगी और विद्रोह पर उतर आयेगी। अमेरिका उम्मीद कर रहा है कि ईरान के नेताओं और देश पर बढ़ते दबाव तथा घुटन की इस स्थिति में, वह अपने शुरुआती उद्देश्य, यानी ईरान में सत्ता परिवर्तन, को हासिल कर सकेगा।

अमेरिका की रणनीति में सबसे बड़ा अनिश्चित पहलू यह है कि इस युद्ध ने ईरानी जनता की मानसिकता को बदल दिया होगा। जहाँ एक तरफ ईरान के सुरक्षा तंत्र के सत्ताधारी गुट और भी कठोर तथा बदले की भावना वाले हो सकते हैं, वहीं देश पर अमेरिका के विनाशकारी हमलों के सामने आम जनता में राष्ट्रवाद की भावना और मजबूत हो सकती है।

ईरान के भीतर पैदा हुई ये नई परिस्थितियां देश के अधिक समझदार और व्यावहारिक वरिष्ठ नेताओं को किसी उचित समझौते तक पहुंचने से रोक सकती हैं। उदाहरण के लिए, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन खुले तौर पर बातचीत फिर शुरू करने और युद्ध खत्म करने की बात कर रहे हैं। लेकिन सुरक्षा तंत्र से जुड़े अधिक कट्टरपंथी और युद्ध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री की मुंबई यात्रा से पहले दो गिरफ्तार

मुंबई, 08 सितंबर। महाराष्ट्र के बांद्रा में स्थित बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) इलाके में स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुंबई दौरे से पहले पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार

- पुलिस को एक के पास पिस्तौल तथा दूसरे के पास सीएमओ का बोगस परिचय पत्र मिला।

किया है। इनमें से एक के पास पिस्तौल और एक के पास पीएमओ का बोगस परिचय पत्र मिला है। मुंबई क्राइम ब्रांच पुलिस इन दोनों से गहन पूछताछ कर रही है।

इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पकड़े गए एक युवक की पहचान रोहन पारेख (24) के रुप में की गई है। बीकेसी में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)